

आईआईएम रांची की ओर से व्यापार सम्मेलन रैडिक्स 5.0 में उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने संभावित चुनौतियों पर की चर्चा

व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए नवाचार जरूरी

समापन

रांची | प्रमुख संवाददाता

आईआईएम रांची की ओर से आयोजित व्यापार सम्मेलन रैडिक्स 5.0 रविवार को संपन्न हुआ। दिनभर चले तकनीकी सत्रों में उद्योग विशेषज्ञों ने वर्तमान और भविष्य संभावित चुनौतियों पर चर्चा की। पहले वक्ता थे आईओटी, एनटीटी डाटा सेवा के निदेशक सैम मदनपल्ली।

उन्होंने कहा कि भगवत गीता में भी उल्लेख है कि परिवर्तन ब्रह्मांड का कानून है। उन्होंने क्वांटम मैकेनिक्स के साथ-साथ एन्ट्रॉपी में अनिश्चितता सिद्धांत के साथ आज की दुनिया की अनिश्चितताओं के बीच एक दिलचस्प विवरण प्रस्तुत किया।

साथ ही, इस बात पर जोर दिया कि प्रबंधन प्रथाओं को विकसित करने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए नवाचार को महत्वपूर्ण बताया।

इसके बाद रिकॉर्ड टू रिपोर्ट एंड



आईआईएम रांची में रविवार को आयोजित व्यापार सम्मेलन में पैनल चर्चा पर अपने विचार रखते उद्योग जगत से जुड़े शिक्षाविद् और विशेषज्ञ। • हिन्दुस्तान

रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन, रॉयल फिलिप्स के ग्लोबल हेड कृष्ण रामचंद्रन ने कहा कि वीयूसीए, यानी विजन, समझदारी, स्पष्टता और चपलता के साथ कैसे मुकाबला कर सकते हैं, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर दिया कि आज की गतिशील दुनिया में सफल होने के लिए फीनिक्स के समान खुद

को पुनर्जीवित करना और वीयूसीए से निपटने के लिए प्रतिक्रिया करने और सहयोग करने के बजाय चुनौतियों का जवाब देना है।

आक्रोमा इंडिया के प्रबंध निदेशक अंजनी प्रसाद ने आर्कोमा में अपनी व्यावसायिक यात्रा के संदर्भ में वीयूसीए पर अपनी अंतर्दृष्टि बताई।

उन्होंने विद्यार्थियों को स्थिति को निरंतर चुनौती देकर मजबूत लक्ष्य निर्धारित कर अपने निजी, व्यापार और सामाजिक जीवन में वीयूसीए को गले लगाने के लिए प्रेरित किया।

पैनल चर्चा में वर्तमान में दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में लोगों के न्याय के लिए लड़ रहे एक स्वतंत्र वकील के रूप

में कानून को बताया गया।

दोपहर के सत्र में हाइड्रो बिजनेस एंड इंटरनेशनल कोल के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी राजीव मिश्रा ने आत्म-नवीनीकरण, व्यस्त प्रबंधक चैंपियन और एक सुखद कर्मचारी अनुभव पर चर्चा की। वैल्यू रिसर्च के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी

पैनल चर्चा

- पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिये कई टिप्स
- आईआईएम रांची के पूर्व छात्र अक्षय गुप्ता ने संचालन किया

अधिकारी धीरेंद्र कुमार ने अपने जीवन के अनुभव साझा किए, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि उन्होंने रोचक उदाहरणों से यह समझाया कि आदर्श ब्रांड बनना हमेशा आवश्यक नहीं होता है, कभी-कभी सिर्फ दूसरों से आगे होने का सौदा होता है।

करवी कंप्यूटर्स के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी प्रदीप साहू ने कहा कि अगर हम लागत को कम करने के लिए नवाचार करते हैं, तो नुकसान ही करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी प्रतिमान आज उद्योग के लिए मान्य नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एचआर को बदलते माहौल को अनुकूल करने की जरूरत है।